

राजा पीलू (बंदिग)

सुभिरग कर ले ~~बे~~ ^{स्वादि} भरे मना, बीती उमर ;
हरि नाम बिना ।

का. अन्तरा

काम कौल मय लोभ लभाण सब,
मोद होइ, अप नाम भव या जग में
कोई नही अपना

स्वादि

मं ग ग सा	ग म ल्य प	ग रे सा नि	सा - - -
सु भि र न	कर ले ड	मे ऽ रे म	ना ऽ ऽ ऽ
०	३	x	२
नि - नि नि	सांनि सां नि ल्य प	ग म ल्य प	ग रे नि सा
बी ऽ ली उ	मऽ र हऽ री	ना ऽ म बि	ना ऽ ऽ ऽ
०	३	x	२

अंतर

नि सा ग म को S म लो ०	प प प प S ए म द 3	ग म नि प मो S म ल्या x	ग रे नि सा S ग म क 2
प - प प मो S द ही ०	म प ग म S S, ज प 3	प ए नि ए नि सा S म म x	प - - - हा S S S 2
नि नि नि नि या S ज ग ०	सांनि सां निव प मो S ना ही 3	ग म ए प को S ई S x	ग रे नि सा अ प ना S 2

तान

- ① नि सा ग रे सांनि ए प | म प नि सा रे ग रे सा ।
- ② नि सा ग म प म ग म | प म ग रे सांनि सा ।
- ③ ग म ए प निव प म | ग म प म ग रे सा ।
- ④ नि सा ग म प नि सांनि | ए प म ग रे सा नि सा ।
- ⑤ नि व प म ग म प ए | नि व प म ग रे सा नि ।